रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० राम सुभग सिंह) : (क) जी हां ।

(ख) विभागीय जांच समिति के निष्कर्ष के अनुसार यह आग झांसी कारखाने के दो कर्मचारियों द्वारा लापरवाही से बीड़ी-सिगरेट पीने के कारण लगी । दोनों सम्बन्धित कर्मचारियों के विरुद्ध अनुशासन सम्बन्धी कार्रवाई की जा रही है । किसी व्यक्ति की मृत्यु नहीं हुई और न कोई घायल हुआ । इस दुर्घटना में 9,265 रुपये की क्षति होने का अनुमान है ।

†[THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (DR. RAM SUBHAG SINGH) : (a) Yes.

(b) According to the findings of the Departmental Enquiry Committee, the fire was caused as a result of careless smoking of cigarette or "biri" by two workmen of the Jhansi Workshop. Disciplinary action is being taken against the two employees concerned. There was no loss of life or injury to any person. The cost of damage has been estimated at Rs. 9,265.]

RELAYING OF RAILWAY LINE BETWEEN MORAPPUR AND DHARMAPURI

127. SHRI R. T. PARTHASARATHY : Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state whether any proposal to relay the Railway line between Morappur and Dharmapuri on the Southern Railway that was dismantled during the Second World War, is under Government's consideration?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHAM NATH) : The question of restoration of the Morappur-Dharmapuri N. G. section was examined in the past and found not financially justified. Consequently the proposal was dropped.

रेलगाड़ियों का रोका जाना

128. **श्री राम सहाय :**
डा० (श्रीमती) मंगलादेवी तलवार :

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि महाराष्ट्र-मैसूर सीमा विवाद के सिलसिले में कितनी रेल गाड़ियां कहां-कहां रोकी गईं और रेलवे की कितनी सम्पत्ति का नुक्सान हुआ ?

†[RAILWAY TRAIN HELD UP

128. SHRI RAM SAHAI :
DR. (MRS.) MANGLADEVI TALWAR :

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state the number of Railway trains held up in connection with the Maharashtra-Mysore boundary issue, the names of the places where they were held up and the extent of damage caused to Railway property ?]

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० राम सुभग सिंह) : कुल मिलाकर 60 गाड़ियां रोकी गई थीं, 4 मध्य रेलवे पर, और 56 दक्षिण रेलवे पर । जिन स्थानों पर गाड़ियां रोकी गई उनके नाम इस प्रकार हैं :—

गुलबर्गा, बिदर, भलकी, कमाल नगर } मध्य रेलवे

सुलधाल, गोकाक रोड, रायबाग, शेडबाल, बेलगाम, कराजगी, होले-आलूर, गुड़गेरि, बेलगानूर, धरवाड़, हावेरी, कुसुगल, अणिगरी, रायचूर, ब्याडगी, कोप्पल, भद्रावती, निट्टूरु, बिरूरू, दावणगेरे, हरिहरा, राणिबेन्नूर, देवरगुडा, कुन्दगोल, बिजापुर, मुनिराबाद, भाणपुर, बागलकोट, बीणसन्द्र, लचयाण, इन्डि रोड, तिपटूरू, चामराज नगर, तेलगी, शिवनि । } दक्षिण रेलवे

मध्य रेलवे पर 17,983 रुपये और दक्षिण रेलवे पर 4,270 रुपये की रेल सम्पत्ति को क्षति पहुंचने का अनुमान है ।

†[THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (DR. RAM SUBHAG SINGH): In all 60 trains were held up, 4 on the Central Railway and 56 on the Southern Railway. The names of the places are as under :

†[ ] English translation.